दैनिक भास्कर
आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

24.02.2021

नेपानगर › शाहपुर

नेपा लिमिटेड • 2016 से मिल में बंद हैं उत्पादन, पहली बार ट्रायल की स्थिति में आई मिल

बॉयलर में अग्नि प्रज्जवलित की, 12.5 मेगावॉट एम्पियर का ट्रांसफार्मर लगाया

अध्यक्ष एवं सहप्रबंध निदेशक ने पूजा-अर्चना कर प्रज्वलित की अग्नि

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

एशिया के पहले अखबारी कागज कारखाने नेपा लिमिटेड में मंगलवार को 12.5 मेगावॉट एम्पियर का ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इससे पहले अध्यक्ष एवं सहप्रबंध निदेश कमोडोर सौरभ देब ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। यहां 132/659 केवी का ग्रिड भी लगाया गया है। इसकी लागत करीब 1.60 करोड़ रुपए है। इसका उपयोग नेपा मिल को लगने वाली अतिरिक्त बिजली आपूर्ति के लिए किया जाएगा। कमोडोर सौरभ देब ने पूजा-अर्चना के साथ बॉयलर में अग्नि भी प्रज्ज्वलित की।

सुबह 11 बजे सीएमडी सौरभ देब ने बॉयलर में अग्नि प्रज्जवलित कर पूजा-अर्चना की। गौरतलब है कि पूरे पावर हाउस के निर्माण पर करीब 50 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। मिल को दोबारा खड़ा करने के लिए यहां लगाए जा रहे बॉयलर सहित अन्य उपकरणों का ट्रायल अब शुरू हो चुका है। बारी-बारी हर उपकरण का ट्रायल किया जाएगा। ट्रायल पूरा होने के बाद आगे का काम शुरू किया जाएगा।

हर यूनिट का लगातार ट्रायल कर मिल को किया जाएगा चालू

बॉयलर में अग्नि प्रज्जवलित करते सीएमडी सौरभ देब।

ट्रांफार्मर को सर्विस में लेने से पहली पूजा-अर्चना करते सीएमडी देब।

अब भाप से चलेगी टर्बाइन, इससे बनेगी बिजली- केसरी

तकनीकी सचिव महेंद्र केसरी ने बताया यहां लगाए गए बॉयलर से भाप बनेगी। इस भाप से टर्बाइन चलेगी। इससे बिजली का उत्पादन होगा। हालांकि भाप बनने में अभी तीन सप्ताह का समय लगेगा। मिल में यह पहला ट्रायल था जो सफल रहा। आगे भी इसी तरह प्रोजेक्ट के सभी प्लांटों का ट्रायल किया जाएगा। इसके बाद मुख्य रूप से उत्पादन का समय और तारीख तय की जाएगी। पूजा-अर्चना के दौरान उप महाप्रबंधक अजय गोयल, अरुण मिश्र, कारखाना प्रबंधक एनआरए खान, तकनीकी सचिव महेंद्र केसरी, प्रबंधक विवेक बरोले, सुमंत कानफाड़े, प्रदीप पाराशर, सुधीर पटले और स्वतंत्र कसेरा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

पेपर मशीन की एक यूनिट अप्रैल तक शुरू करने का लक्ष्य

सीएमडी सौरभ देब के आने के बाद यहां काम में तेजी आई है। इससे मिल के जल्दी चालू होने की उम्मीद जगी है। एक पेपर मशीन का काम अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं जून तक मिल में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। सीएमडी के मुताबिक कुछ यूनिट का करीब 95 फीसदी काम पूरा हो चुका है। अब विभिन्न यूनिट का ट्रायल शुरू किया गया है। इसमें सबसे पहले बॉयलर का ट्रायल किया गया। ईटी प्लांट यानि प्रदूषित जल उपचार संयंत्र का प्रथम चरण मार्च तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद इसका ट्रायल होगा। कागज निर्माण के लिए दो पेपर मशीन लगना है। दो रिमांडर और एक केमिकल हैंडलिंग प्लांट लगेगा। दो कंट्रोल स्टेशन बनाए जाएंगे।

नेपा मिल के चालू होने से नगर की अर्थव्यवस्था सुधरेगी

- मिल चालू होने से नगर की अर्थव्यवस्था सुधरेगी। वर्तमान में शहर का व्यापार पूरी तरह ठप पड़ा है। मिल चालू होने से व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी।
- मिल के चालू होने से नगर का विकास होगा। प्रदेश के प्रिंट मीडिया की कागज परिवहन लागत कम होगी। स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेंगे।
- देश के 262 सार्वजनिक उपक्रमों में से एकमात्र नेपा मिल ही ऐसी है जिस पर केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपए खर्च कर इसे दोबारा खड़ा करने का प्रयास किया है। अन्य सार्वजनिक उपक्रमों से नेपा मिल बेहतर स्थिति में है। यहां समय-समय पर केंद्र से योजना के लिए राशि मिली।

www.naidunia.com
नईदुनिया

24.02.2021

बायलर शुरू होते ही दमकी उम्मीद की खुशी

नेपा मिल में 12.5 मेगावाट एम्पीयर का ट्रांसफार्मर स्थापित

नेपानंगर/बुरहानपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। देश में एशिया के पहले कागज कारखाने का इतिहास रचने वाली नेपा मिल में करीब पांच वर्ष बाद मंगलवार को खुशियां दमकी। यहां पर बायलर में अग्नि प्रज्जवलन के साथ ही उम्मीद की खुशी दोगुनी हुई और 12.5 मेगावाट एम्पीयर का ट्रांसफार्मर स्थापित हुआ।

नया ट्रासंफॉर्मर स्थापित होने से मिल के अफसर-कर्मियों ने ताली बजाकर खुशी जताई। मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे बायलर प्रज्जवलन के पूर्व नेपा मिल के अध्यक्ष एवं सह प्रबंध निदेशक कमोडोर सौरभ देब ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की। यहां 132.659 केवी की ग्रिड स्थापित की गई। जिसकी लागत करीब 1.60 करोड़ रुपये है। इसका उपयोग नेपा मिल को लगने वाली अतिरिक्त विद्युत आपूर्ति के समय किया जाएगा। पूजा-अर्चना के साथ ही अग्नि प्रज्जवलन अध्यक्ष एवं सह प्रबंध निदेशक कमोडोर सौरभ देब ने किया। गौरतलब है कि पूरे पावर हाउस के निर्माण पर करीब 50 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मिल को दोबारा खड़ा करने के लिए यहां लगाए जा रहे बायलर सहित अन्य उपकरणों का ट्रायल अब शुरू हो चुका है। धीरे-धीरे प्रत्येक उपकरण का ट्रायल किया जाएगा।

अब स्टीम से चलेगी टर्बाइन उत्पादित होगी बिजली

नेपा मिल के तकनीकी सचिव महेंद्र केसरी ने बताया कि यहां लगाए गए ब्रायलर से भाप बनेगी। इस भाप से टर्बाइन चलेगी। जिससे बिजली का उत्पादन होगा। हालांकि भाप बनने में अभी तीन सप्ताह का समय लगेगा। जिससे टर्बाइन चलेगी। मिल में यह पहला ट्रायल था जो सफल रहा।

ट्रांसफार्मर की पूजा अर्चना के दौरान मौजूद सीएमडी व अधिकारी-कर्मचारी। ●नईदुनिया

बायलर में अग्नि प्रज्जवलित करते हुए सीएमडी सौरभ देब। ●नईदुनिया

विकास को मिली रफ्तार

- अध्यक्ष एवं सह प्रबंध निदेशक ने बायलर में की अग्नि प्रज़्जवलित
- 2016 से मिल में बंद है उत्पादन, चल रहा है रिनोवेशन का काम
- पहली बार ट्रायल की स्थिति में आई मिल
- प्रत्येक यूनिट का लगातार ट्रायल कर मिल को किया जाएगा चालू

आगे भी इसी तरह यहां स्थापित प्रोजेक्ट के सभी प्लांटों का ट्रायल किया जाएगा। इसके बाद मुख्य रूप से उत्पादन का समय व तारीख तय की जाएगी। इस दौरान नेपा मिल उप महाप्रबंधक अजय गोयल, अरुण मिश्र, कारखाना प्रबंधक एनआरए खान, तकनीकी सचिव महेंद्र केसरी, प्रबंधक विवेक बरोले, सुमन्त कानफाड़े, प्रदीप पाराशर, सुधीर पटले, स्वतंत्र कसेरा सहित अन्य मौजूद थे। गौरतलब है कि सीएमडी सौरभ देब ने मिल के काम में तेजी लाकर मिल के जल्दी शुरू होने की उम्मीद जगा दी है। एक पेपर मशीन का काम अप्रैल 2021 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है तो वहीं जून 2021 तक मिल से प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सीएमडी सौरभ देब के मुताबिक कुछ यूनिट्स का करीब 95 फीसदी का काम पूरा हो गया है। अब विभिन्न यूनिट्स का ट्रायल शुरू किया गया। जिसमें सबसे पहले बायलर का ट्रायल किया गया। ईटी प्लांट यानि प्रदूषित जल उपचार संयंत्र का प्रथम चरण मार्च 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद इसका ट्रायल होगा। कागज निर्माण के लिए दो पेपर मशीन लगना है। दो रिमांडर और एक केमिकल हैंडलिंग प्लांट लगेगा। दो कंट्रोल स्टेशन बनाए जाएंगे।

मिल शुरू होने पर ये होंगे लाभ

- मिल चालू होने से नगर की अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ेगा। वर्तमान में शहर का व्यापार पूरी तरह ठप पड़ा है। मिल चालू होने व्यापार व्यवसाय में गति आएगी।
- नगर का विकास होगा। प्रदेश के प्रिंट मीडिया को परिवहन लागत कम होगी। रोजगार बढ़ेंगे।
- देश की 262 सार्वजनिक उपक्रमों में से एक मात्र नेपा मिल ही ऐसी है जिस पर केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपये की राशि खर्च इसे दोबारा जिंदा करने का प्रयास किया है। अन्य सार्वजनिक उपक्रमों से नेपा मिल बेहतर स्थिति में है। जहां समय समय पर केंद्र से योजना के लिए पैसा आया।

पत्रिका

24.02.2021

रिनोवेशन का कार्य पूरा करने में नेपा लिमिटेड के बढ़ रहे कदम

पॉवर प्लांट और बॉयलर का काम पूरा, सीएमडी ने किया शुभारंभ

पत्रिका न्यूज पंच

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. कागज की कश्ती कही जाने वाले नेपा लिमिटेड के रिनोवेशन कार्य पूर्ण होने की कड़ी में पहला सकारात्मक काम हुआ है। पॉवर प्लांट और बॉयलर दो जगहों पर करीब 26 करोड़ की लगात से रिनोवेशन का कुछ अंश पूरा हुआ। सीएमडी कोमोडोर सौरभ देब ने दोनों प्लांट पर पहुंचकर मशीनों का पूजन कर शुरुवात की। उन्होंने दोनों जगहों पर प्रोजेक्ट का काम कर रहे ठेकेदारों को बधाई देकर शेष कार्य को जल्द पूरा करने के लिए उत्साह वर्धन किया। इस दौरान कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी अजय गोयल, नियाजी खान, अरुण मिश्र, विवेक बोरोले, सुमंत कानफाडे, प्रदीप पाराशर, महेंद्र केसरी आदि मौजूद थे।

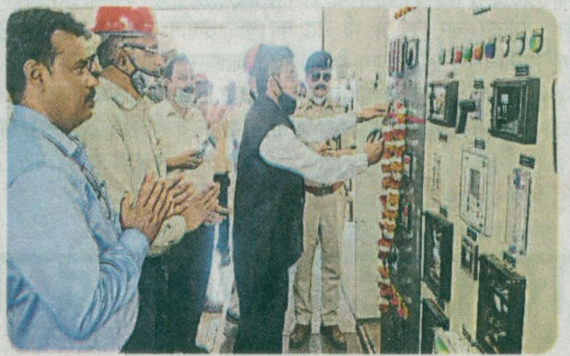

सीएमडी ने किया पूजन।

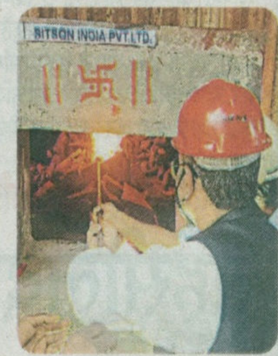

किया शुभारंभ।

प्रोजेक्ट का ये भाग हुआ पूरा

नया ट्रांसफार्मर 12.5 एमवीए - कंपनी में बने 132/6.9 केवी सब स्टेशन में एक नए ट्रांसफॉर्मर 12.5 एमवीए को शामिल किया गया। सीएमडी देब ने पूजन के बाद इसे शुरू किया। अब तक कंपनी में चल रहे कार्य में कंपनी की ही विद्युत उपयोग में ली जाया करती थी, लेकिन आने वाले समय में नई मशीनों के लिए अतिरिक्त विद्युत की आवश्यकता होगी। इसलिए कंपनी में नए ट्रांसफॉर्मर को शामिल किया गया है। अब यहां नेपानगर विद्युत वितरण कंपनी से विद्युत ली जाएगी। उक्त ट्रांसफॉर्मर रॉयल इलेक्ट्रिक वर्क कल्याण द्वारा 1.60 करोड़ की लागत से लगाया गया

बॉयलर का प्रज्ज्वलन- कंपनी में एक नए बॉयलर का निर्माण किया गया है, जिसका उपयोग भाप बनाकर टरबाइन घूमाने के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी में विद्युत उत्पादन होगा। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि बॉयलर को फिलहाल ट्रायल बेस पर शुरू किया गया है। उक्त मशीन की कीमत करीब 25 करोड़ की बताई जा रही है। सीएमडी देब ने पूजन के बाद बॉयलर की शुरुवात की। वही बॉयलर की चीमनी का कार्य भी तेज गती से चल रहा है। इसकी उचाई 80 मीटर तक की जाना है।

मिलकर करेंगे कंपनी का काम पूरा

उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें रिनोवेशन कार्य को मिलकर पूरा करना होगा। एक जुटता से ही काम पूरा हो सकता है। उन्होंने बताया कि रिनोवेशन के कार्य को पूरा करने के लिए मुख्य रूप से 4 भाग में विभाजित है। जिसमें डी-इंकिंग प्लांट, पेपर मशीन, ई-टी प्लांट और पॉवर प्लांट शामिल है। चारों विभाग में काम करने वाले ठेकेदारों को एक समय सीमा दी जा चुकी है। इसी के अनुसार काम हो रहा है।

21.02.2021

दैनिक भास्कर
आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

केंद्रीय बजट : 13 क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनेगा देश- सीएमडी

नेपानगर | केंद्रीय बजट को लेकर नेपा लिमिटेड सीएमडी सौरभ देब ने शनिवार को पत्रकार वार्ता लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा आत्मनिर्भर भारत के लिए विनिर्माण वैश्विक चैंपियन बनाने के लिए पीआईएल योजना की घोषणा 13 क्षेत्रों के लिए की गई है। इसके लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से 5 वर्षों में लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपए रखे हैं। उन्होंने कहा कुछ प्रमुख आधारभूत मंत्रालयों के तहत 1.10 लाख करोड़ रुपए की लगभग 21 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इस बजट में आमजन की भी हर सुविधा का ध्यान रखा गया है। रेलवे में भी पूंजीगत व्यय किए गए हैं। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक अविजीत चटर्जी और पीआरओ पीपी अस्थाना भी मौजूद थे।

नईदुनिया
www.naidunia.com

सीएमडी ने प्रेसवार्ता में बिंदुवार बताई केंद्रीय बजट की उपलब्धियां

बजट : 13 क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनेगा देश

नेपानगर। केंद्रीय बजट में आत्मनिर्भर भारत के लिए विनिर्माण वैश्विक चैंपियन बनाने के लिए पीआईएल योजना की घोषणा 13 क्षेत्रों के लिए की गई है। इसके लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2021-22 से शुरुआती पांच वर्षों में लगभग 1.97 लाख करोड़ रुपये रखे हैं। यह पहल प्रमुख क्षेत्रों में पैमाने और आकार लाने, वैश्विक चैंपियन और पोषण करने के लिए हमारे युवाओं को रोजगार प्रदान करने में मदद करेगी।

बजट के बारे में बताते हुए सीएमडी सौरथ देब। ● नईदुनिया

यह बात नेपा लिमिटेड सीएमडी सौरभ देब ने शनिवार शाम प्रेसवांर्ता में कही। उन्होंने कहा कि देश में कुछ प्रमुख आधारभूत मंत्रालयों के तहत 1.10 लाख करोड़ रुपये की लगभग 21 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी है। इस बजट में आमजन की भी हर सुविधा का ध्यान रखा गया है। रेलवे में भी पूंजीगत व्यय किए गए हैं। बजट 2021-22 तेजी से पूंजीगत व्यय को बढ़ाकर 5.54 लाख करोड़ कर देता है। इस पूंजीगत व्यय के अतिरिक्त वित्त मंत्रालय राज्यों और स्वायत्त निकायों को उनके पूंजीगत व्यय के लिए 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक प्रदान करता करेगा। सार्वजनिक ऑटोमोबाइल क्षेत्र में निर्यात बढ़ेगा।

आत्मनिर्भर भारत के तहत पांच साल की अवधि में रुपये 18100 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ अनुमोदित की गई थी। इसी तरह गैर मिश्र धातु, मिश्र धातु और स्टेनलेस स्टील्स के अर्ध, समतल और दीर्घाकार उत्पादों पर सीमा शुल्क को समान रूप से घटाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया गया है। मेक इन इंडिया के तहत मशीनरी और आटोमोबाइल के उत्पादन को प्रोत्साहन देगा। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक अविजीत चटर्जी, पीआरओ पीपी अस्थाना आदि मौजूद थे।

पत्रिका

केंद्रीय बजट को जनता तक पहुंचाना मुख्य उद्देश्य: सीएमडी

नेपानगर@पत्रिका. नेपा लिमिटेड के प्रशासकीय भवन में सीएमडी कमोडोर सौरभ देब ने शनिवार को पत्रकारवार्ता ली। उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी किए गए वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट के बारे में जानकारी दी। कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में निवेश किए हैं। इसकी जानकारी आम जनता तक पहुंचनी चाहिए।

जानकारी देते सीएमडी।

इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक अविजीत चटर्जी, पीआरओं पीपी अस्थाना सहित अन्य मौजूद थे।